राम बिनु तन को ताप न जाई

राम बिनु तन को ताप न जाई
राम बिनु तन को ताप न जाई

जल में अगन रही अधिकाई।
राम बिनु तन को ताप न जाई॥

तुम जलनिधि मैं जलकर मीना।
जल में रहहि जलहि बिनु जीना॥

राम बिनु तन को ताप न जाई॥
राम बिनु तन को ताप न जाई॥

तुम पिंजरा मैं सुवना तोरा।
दरसन देहु भाग बड़ मोरा॥

राम बिनु तन को ताप न जाई॥
राम बिनु तन को ताप न जाई॥

तुम सद्गुरु मैं प्रीतम चेला।
कहै कबीर राम रमूं अकेला॥

राम बिनु तन को ताप न जाई॥
राम बिनु तन को ताप न जाई॥

राम बिनु तन को ताप न जाई
राम बिनु तन को ताप न जाई

जल में अगन रही अधिकाई।
राम बिनु तन को ताप न जाई॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2242/title/ram-binu-tan-ko-taap-na-jayee-jal-me-angan-rahi-adkai-ram-bin-tan-ko-taap-na-jai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |